Regarding drug menace in Himachal Pradesh

श्री सुरेश कुमार कश्यप **(**शिमला**) :** सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बहुत ही संवेदनशील मुद्दे पर अपने विचार रखने का अवसर दिया । ? (व्यवधान)

महोदय, हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है । लेकिन, आज बहुत ही खेद के साथ बताना पड़ रहा है कि हिमाचल प्रदेश आज नशेड़ियों का अड्डा बन गया है ।? (व्यवधान) अगर हम जनसंख्या की दृष्टि से भी देखें तो पंजाब के बाद हिमाचल प्रदेश नशे के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है ।? (व्यवधान) सैंकड़ों युवा नशे के कारण, विशेष रूप से चिट्टा के सेवन के कारण अपना जीवन गंवा चुके हैं । पहले नशा शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित था, लेकिन आज ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी पैठ हो गयी है । पिछले दिनों प्रदेश के 204 स्कूलों का सर्वे किया गया था ।? (व्यवधान) जिसमें देखा गया कि नौ प्रतिशत बच्चे इंजेक्शन लेते हैं और नशामुक्ति केन्द्रों में 35 प्रतिशत जो बच्चे हैं, वे चिट्टे का शिकार हैं ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति जी, नशे को काबू करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन फिर भी लगातार इसका प्रचलन बढ़ रहा है और पिछले दो महीने में मेरे संसदीय क्षेत्र शिमला में 473 मामले पकड़े गए हैं ।? (व्यवधान) अगर हम देखें तो आज नशे के तस्कर नशे के कारोबार में बढ़ोतरी कर रहे हैं । वर्ष 2024 में एनडीपीएस के मामलों में केवल 27 परसेंट को सजा मिली है और 73 परसेंट को छोड़ दिया गया ।? (व्यवधान) अर्थात्, नशे को काबू करने में प्रशासन भी कहीं न कहीं असफल रहा है । पिछले दिनों 60 कर्मचारी नशे में सम्मिलित पाए गए । हमें बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है ।? (व्यवधान) हमारे कांग्रेस के भाई यहां हल्ला कर रहे हैं, जबकि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है । नशे पर काबू पाने में वहां की सरकार असफल रही है ।? (व्यवधान) कानून व्यवस्था और नशे को रोकने के लिए सरकार ने व्यापक कदम नहीं उठाए और बड़े दुख के साथ बताना पड़ता है कि पुलिस विभाग के कर्मचारी, शिक्षा विभाग के कर्मचारी, जल शक्ति विभाग के कर्मचारी और बहुत सारे दूसरे विभाग के कर्मचारी भी पकड़े जाते हैं, लेकिन प्रदेश के मुखिया कहते हैं कि कार्यवाही अगले छ: महीने में की जाएगी । मैं समझता हूं कि यह बहुत ही चिंता का विषय है । नशे के कारण हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है ।? (व्यवधान) मैं केन्द्र सरकार का धन्यवाद करता हूं, माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने नशे पर काबू पाने के लिए माननीय गृह मंत्री जी के द्वारा राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन- मानस को लॉन्च किया है और टोल फ्री नंबर 1933 पर मादक पदार्थों की जानकारी देने के लिए जारी किया है । वर्ष 2047 तक नशा मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है ।? (व्यवधान)